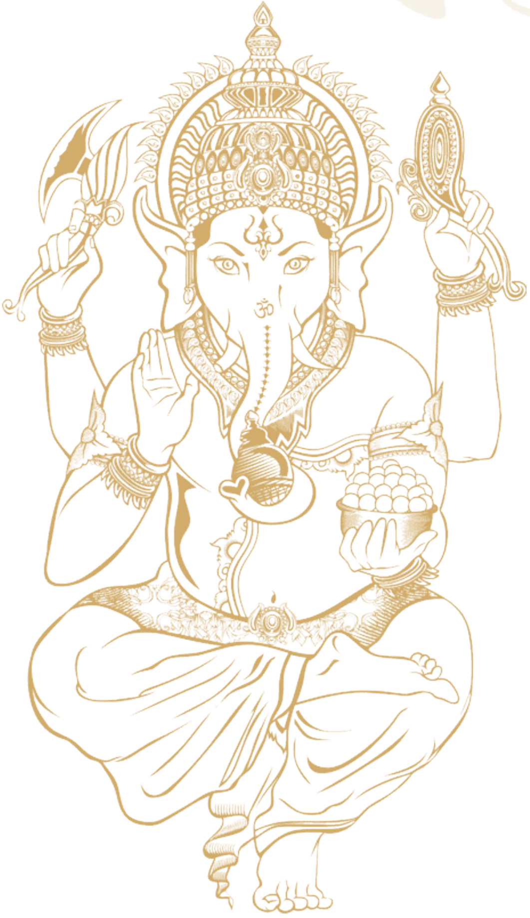

Rishikesh Pandey

24 Apr 2001

08:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121870602

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **24/04/2001**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **20:00:00 घंटे**
इष्ट	: 35:32:25 घटी
स्थान	: **Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:38:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:01:51 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:49:37 घंटे
सूर्योदय	: 05:47:01 घंटे
सूर्यास्त	: 18:52:02 घंटे
दिनमान	: 13:05:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 10:35:49 मेष
लग्न के अंश	: 25:56:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: आयुष्मान
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: गज
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: मृग
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:56:30	307:04:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			मेष	10:35:49	00:58:28	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मेष	22:20:33	13:17:58	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	03:30:39	00:11:16	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	12:00:01	02:08:16	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	18:16:43	00:12:24	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	07:57:36	00:10:00	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि			वृष	06:34:19	00:07:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	14:25:29	00:09:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	14:25:29	00:09:06	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:28:13	00:01:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:50:00	00:00:32	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:02:17	00:01:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:15:07	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:13

लग्न-चलित

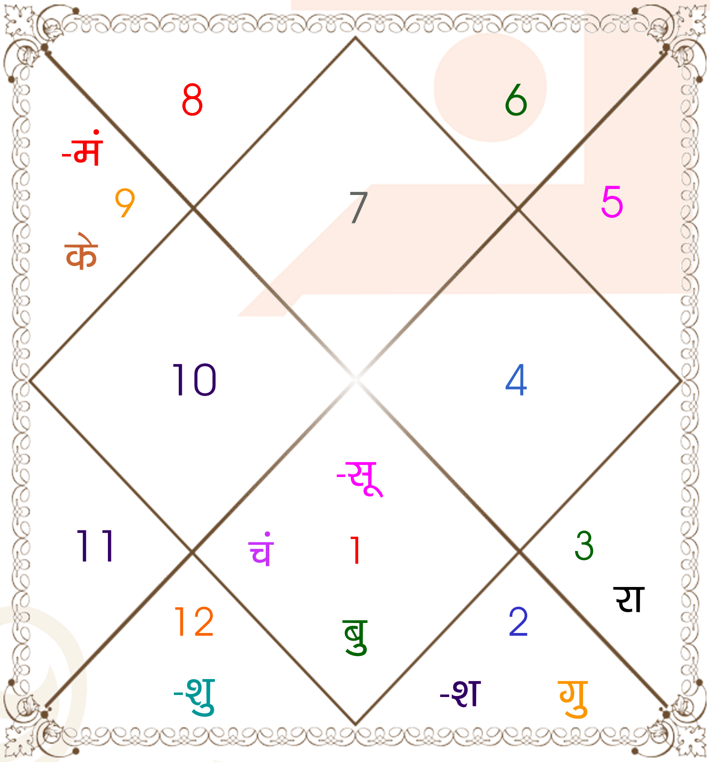

चन्द्र कुंडली

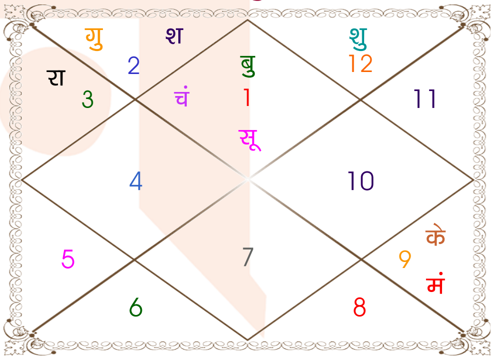

नवमांश कुंडली

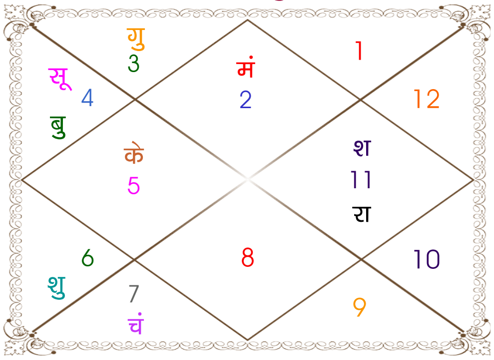

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 5 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
24/04/2001	19/10/2007	19/10/2013	19/10/2023	19/10/2030
19/10/2007	19/10/2013	19/10/2023	19/10/2030	19/10/2048
00/00/0000	सूर्य 06/02/2008	चंद्र 19/08/2014	मंगल 17/03/2024	राहु 01/07/2033
00/00/0000	चंद्र 07/08/2008	मंगल 20/03/2015	राहु 04/04/2025	गुरु 25/11/2035
00/00/0000	मंगल 12/12/2008	राहु 18/09/2016	गुरु 11/03/2026	शनि 01/10/2038
00/00/0000	राहु 06/11/2009	गुरु 18/01/2018	शनि 20/04/2027	बुध 19/04/2041
00/00/0000	गुरु 25/08/2010	शनि 20/08/2019	बुध 16/04/2028	केतु 08/05/2042
24/04/2001	शनि 07/08/2011	बुध 18/01/2021	केतु 12/09/2028	शुक्र 08/05/2045
शनि 19/10/2003	बुध 13/06/2012	केतु 19/08/2021	शुक्र 12/11/2029	सूर्य 01/04/2046
बुध 19/08/2006	केतु 19/10/2012	शुक्र 20/04/2023	सूर्य 20/03/2030	चंद्र 01/10/2047
केतु 19/10/2007	शुक्र 19/10/2013	सूर्य 19/10/2023	चंद्र 19/10/2030	मंगल 19/10/2048

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
19/10/2048	19/10/2064	19/10/2083	20/10/2100	20/10/2107
19/10/2064	19/10/2083	20/10/2100	20/10/2107	00/00/0000
गुरु 07/12/2050	शनि 22/10/2067	बुध 17/03/2086	केतु 18/03/2101	शुक्र 19/02/2111
शनि 19/06/2053	बुध 02/07/2070	केतु 14/03/2087	शुक्र 18/05/2102	सूर्य 19/02/2112
बुध 25/09/2055	केतु 10/08/2071	शुक्र 12/01/2090	सूर्य 23/09/2102	चंद्र 20/10/2113
केतु 31/08/2056	शुक्र 10/10/2074	सूर्य 19/11/2090	चंद्र 24/04/2103	मंगल 20/12/2114
शुक्र 02/05/2059	सूर्य 22/09/2075	चंद्र 19/04/2092	मंगल 20/09/2103	राहु 20/12/2117
सूर्य 18/02/2060	चंद्र 22/04/2077	मंगल 16/04/2093	राहु 07/10/2104	गुरु 20/08/2120
चंद्र 19/06/2061	मंगल 01/06/2078	राहु 04/11/2095	गुरु 13/09/2105	शनि 25/04/2121
मंगल 26/05/2062	राहु 07/04/2081	गुरु 09/02/2098	शनि 23/10/2106	00/00/0000
राहु 19/10/2064	गुरु 19/10/2083	शनि 20/10/2100	बुध 20/10/2107	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।